उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) से (ङ). राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद् की स्थापना के एक प्रस्ताव पर भारत सरकार विचार कर रही है । यह परिषद् स्थानीय उत्पादकता परिषदों तथा उत्पादकता में रुचि रखने वाले अन्य संगठनों और संस्थाओं के द्वारा देश में उत्पादकता आन्दोलन आरम्भ करेगी । यदि यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया तो राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद् अन्य कार्यों के साथ, विदेशों से उत्पादकता बढ़ाने सम्बन्धी शैल्पिक जानकारी एकत्र करेगी और उसे भारतीय उद्योगों को देगी । यह जानकारी प्रदान करने के लिये प्रकाशन, श्रव्य-दृश्य प्रसार साधन, प्रदर्शनियों, गोष्ठियों तथा भाषणों आदि का प्रयोग किया जायेगा । इसके अतिरिक्त शैल्पिक ज्ञान संग्रह सेवा तथा शैल्पिक ज्ञान वर्द्धन सेवा की स्थापना भी की जायेगी । अपने विविध कार्यों का खर्चा उठाने के लिये राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद् को सरकार तथा उद्योगों से धन लेना होगा । चूंकि राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद् को स्थापित करने की प्रायोजना अभी विचाराधीन है इसलिये सरकार ने इस पर अभी कुछ भी खर्च नहीं किया है ।

भारी विद्युत उद्योग विकास परिषद्

६१९. **श्रीमती गंगादेवी** : क्या **वाणिज्य तथा उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) लो बोल्टेज सरकट ब्रेकरों की जांच के लिये भारी विद्युत् उद्योग विकास परिषद् ने क्या सुविधायें निकाली है ;

(ख) इन सुविधाओं की व्यवस्था करने में सरकार ने कितना खर्च किया है ;

(ग) उन में कितने निर्माताओं को लाभ हुआ है ; और

(घ) उनको किस प्रकार का लाभ हुआ है ?

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) विकास परिषद् ने सरकार से सिफारिश की है कि बिजली के विभिन्न प्रकार के उपकरणों का परीक्षण करने के लिये पूर्णतः सज्जित प्रयोगशाला स्थापित की जाये । यह सिफारिश सरकार के विचाराधीन है । अंतकालीन उपाय के रूप में परिषद् ने इस संभावना की जांच की कि बंगलौर की इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस में जो साज-सामान है, उसे इस काम के लिये प्रयोग किया जा सकता है या नहीं । लेकिन ज्ञात हुआ है कि यह मुमकिन नहीं है ।

(ख) से (घ). प्रश्न नहीं उठते ।

रासायनिक गूदे का आयात

६२०. **श्री झूलन सिंह** : क्या **वाणिज्य तथा उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रासायनिक गूदे की कितनी मात्रा किन किन देशों से मंगाई जा रही है ; और

(ख) क्या रासायनिक गूदे के आयात के लिये किसी देश से कोई विशेष समझौता किया गया है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री कानूनगो) (क) दिसम्बर, १९५६ तक के आयात के आकड़े उपलब्ध नहीं है क्योंकि व्यापारिक वर्गीकरण में रासायनिक लुग्दी को अलग से नहीं दिखाया जाता था । जनवरी से अप्रैल, १९५७ तक १०,८०४ टन रासायनिक लुग्दी फिनलैंड स्वीडन, नारवे, जापान, कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका, न्यूजीलैंड तथा आस्ट्रिया से आयात की गयी ।

(ख) जी, नहीं ।

साइकिलें

६२१. **श्री झूलन सिंह** : क्या **वाणिज्य तथा उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि भारत में बनने वाली साइकिलों की किस्म सुधारने के लिये क्या उपाय किये जा रहे हैं ?